CONTENTS

INDEX

TITLE	Page(s)
Issues and Challenges of Teacher Education under NEP-2020 - **Dr. Minu Sono**	**02**
Idea of Fate: A Comparative Study of Macbeth and Oedipus Rex - **Adamya Kairo**	**10**
HOW WOMEN PARTICIPATE IN PATRIARCHY THROUGH INDIAN SOAPOPERS - **Ekta kakkar**	**16**
CRITICAL STUDY OF NATIONAL EDUCATION POLICY 2020: OPPORTUNITIES AND CRITICISM - **Dr. Priyanka Bansal**	**23**
नई शिक्षा नीति 2020 में स्त्री शिक्षा का समीक्षात्मक अध्ययन - **डॉ. कंचन जैन**	**32**

DVSIJMR
ISSN NO 2454-7522

DVS International Journal of Multi-Disciplinary Research ISSN NO 2454-7522
Vol: 8, ISSUE: 2, No: 30 October – December, 2022

नई शिक्षा नीति 2020 में स्त्री शिक्षा का समीक्षात्मक अध्ययन

डॉ. कंचन जैन
काउंसलर
श्री राम एकाउंट्स एंड लॉ इंस्टिट्यूट

सार

"नई शिक्षा नीति 2020 समान शिक्षा समान अधिकार की नीति है।"

शिक्षा महिलाओं के शोषण के विरुद्ध उनकी निरंतर लड़ाई और सामाजिक बुराइयों का सामना करने की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 'महिला सशक्तिकरण' का मुहावरा, जो सामाजिक विमर्श के वर्तमान सिक्के में बहुत तेजी से और व्यापक रूप से पारित हो गया है, शिक्षा के बिना अर्थहीन है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी महिला शिक्षा की दयनीय स्थिति को देखकर भारतीय राष्ट्र अत्यंत व्याकुल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी 2020) को 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था, जो भारत की नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 को के कस्तूरीरंगन समिति द्वारा भारत भर में शैक्षिक परिदृश्य को बढ़ाने वाले विभिन्न मुद्दों से निपटने और महिला निरक्षरता के खतरे को रोकने के लिए तैयार किया गया है। नीति सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के बच्चों और युवाओं, विशेषकर लड़कियों पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी के लिए समान और समावेशी शिक्षा की कल्पना करती है।हाल ही में सामने आई इस नीति से महिला शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत होने की उम्मीद है।

मुख्य शब्दावली : व्यापकता, समावेशी शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रहित, शैक्षिक केंद्र, राष्ट्रव्यापी, दूरस्थ शिक्षा।

प्रस्तावना

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020), जिसे 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा शुरू किया गया था, भारत की नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि को रेखांकित

करती है। [1] नई नीति शिक्षा पर पिछली राष्ट्रीय नीति, 1986 की जगह लेती है । [2] नीति ग्रामीण और शहरी भारत दोनों में प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च और साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा है। नीति का लक्ष्य 2030 तक भारत की शिक्षा प्रणाली को बदलना है।

सार्वजनिक जीवन के सभी स्तरों पर महिलाओं को शामिल करने और राष्ट्र के लिए उनकी प्रतिभा का उपयोग करने और उन्हें सभी प्रकार के अन्याय से बचाने के लिए, राष्ट्र को सबसे पहले महिलाओं के लिए सौ प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। सामाजिक भेदभाव, लिंग असमानता, लड़कियों का पेशा घरेलू कामों में बच्चे, आर्थिक शोषण और कम उम्र में शादी कुछ ऐसे कारक हैं जिन्होंने भारत में महिला शिक्षा को बहुत प्रभावित किया है। प्राथमिक और मध्य विद्यालय स्तर पर लड़कियों के ड्रॉप-आउट दर के लिए जिन अन्य कारणों का आमतौर पर उल्लेख किया जाता है, वे हैं: प्रेरणा की कमी, पारिवारिक व्यवसाय या खेत में व्यस्तता, घरेलू काम में व्यस्तता। उपरोक्त कारणों के अलावा, आसपास के शैक्षिक केंद्रों की अनुपलब्धता, यात्रा के असुरक्षित साधन, और उचित शौचालयों की कमी, लड़कियों के ड्रॉप-आउट के अतिरिक्त कारण हैं। कम आय वाले परिवारों में छोटे भाई-बहनों की उपस्थिति सकल उपस्थिति, सीखने की गतिविधियों पर खर्च किए गए समय, सीखने के प्रदर्शन आदि के संदर्भ में एक लड़की की शिक्षा को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए हमें राष्ट्रव्यापी एक व्यापक, सुसंगठित और बहुत व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

शोध प्रविधि

सरकारी रिपोर्ट एवं नई शिक्षा नीति का अध्ययन।

शोध के उद्देश्य

1- नई शिक्षा नीति 2020 में स्त्री शिक्षा के हितों का पता लगाना।

2- नई शिक्षा नीति 2020 में स्त्री शिक्षा की उपयोगिता का पता लगाना।

समान शिक्षा समान अधिकार की नीति के उद्देश्य

NEP 2020 का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की भर्ती में लैंगिक असमानता के मुद्दे को संबोधित करना है। शिक्षकों (विशेष रूप से कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में) के बीच लैंगिक असंतुलन को कम करने के लिए, महिला शिक्षक भर्ती के लिए शैक्षिक और पेशेवर दोनों तरह की योग्यता और योग्यता से समझौता किए बिना वैकल्पिक रास्ते शुरू किए जाएंगे। छात्राओं के परिवारों को परामर्श देने के लिए उचित प्रशिक्षण। शिक्षा में लड़कियों के लिए समान अवसर और स्थान की सुविधा के लिए परिवारों को उचित परामर्श देना अनिवार्य माना जाता है क्योंकि अक्सर हमारे समाज में लड़कियों की तुलना में लड़कों की शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है और न करने के लंगड़े बहाने की कोई कमी नहीं है।

एनईपी **2020** परिसर के अंदर और बाहर स्कूल जाने वाली लड़कियों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगा। स्कूलों को वैधानिक निकायों द्वारा नियमित मान्यता के लिए जाने के लिए महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न, भेदभाव और वर्चस्व के बिना एक वातावरण सुनिश्चित करना होगा। नीति सामाजिक रीति-रिवाजों और लैंगिक रूढ़िवादिता की पहचान करेगी जो लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने से रोकती है और नियमित ड्रॉपआउट का कारण बनती है। बालिकाओं के परिवारों को उचित परामर्श देने के लिए शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्थानीय सामाजिक उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। सभी शैक्षणिक संस्थानों को लैंगिक मुद्दों पर रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं को तोड़ने, उत्पीड़न मुक्त वातावरण के महत्व और लिंग के समान उपचार, और बाल विवाह निषेध अधिनियम सहित लड़कियों और महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा और अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनिवार्य किया जाएगा। , यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम **(POCSO)**, मातृत्व लाभ अधिनियम, और कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य लिंग-संवेदनशील और समावेशी कक्षा प्रबंधन के बारे में शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों की जागरूकता बढ़ाना है।

एनईपी **2020** से पुरुष और महिला साक्षरता दर में लिंग अंतर को दूर करने की दिशा में बदलाव लाने की उम्मीद है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के बीच उचित जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। जब तक समाज को लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने की कुरीतियों के बारे में जागरूक नहीं किया जाता तब तक कोई बदलाव नहीं आएगा। संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद लड़कियां अभी भी अत्याचारी ताकतों के प्रति संवेदनशील हैं।

छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए और कानूनी साक्षरता को अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। केवल एक लैंगिक-उत्तरदायी शैक्षिक पाठ्यक्रम ही लैंगिक पक्षपात और शिक्षा प्रणाली और समाज के भीतर भेदभाव को उलट देगा। एक पाठ्यक्रम जो प्रगतिशील विचारों और सामग्रियों से ठीक से सुसज्जित है, समाज से लोकाचार और लैंगिक रूढ़िवादिता को दूर करने में बहुत मदद करेगा। मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर निर्देश के साथ यौन शिक्षा के घटक को सावधानीपूर्वक पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता है। नीति में सामने आए कौशल विकास पाठ्यक्रमों को समाज के सभी वर्गों की लड़कियों को शैक्षिक संस्थानों जाने के लिए प्रेरित करने और उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए भी लाभान्वित होना चाहिए।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की देशव्यापी महिला साक्षरता दर **65.46%** है, जबकि पुरुष साक्षरता दर **82.14%** अनुमानित है। भारत की औसत साक्षरता दर **74.04%** है। पुरुष और महिला साक्षरता दर के बीच लगभग **17%** का लिंग अंतर है। यह लिंग विभाजन ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। ग्रामीण महिला साक्षरता दर केवल **57%** है, जबकि ग्रामीण पुरुष साक्षरता दर **77%** से अधिक है। हालांकि, उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण **(एआईएसएचई) की रिपोर्ट 2018-19 के अनुसार**, सरकार द्वारा कई नए नीतिगत हस्तक्षेपों के बाद पिछले वर्षों की तुलना में देश में लिंग अंतर कम हो गया है। उच्च शिक्षा में कुल नामांकन में छात्राओं का हिस्सा लगभग आधा (लगभग **48.6%)** था।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के अनुसार, 2017 में महिला श्रम भागीदारी दर **27%** थी, जो **2001** में **34%** से **7%** कम थी। भारत में **50** मिलियन से अधिक महिलाएँ हैं, जो न तो अध्ययन के लिए जा रही हैं और न ही काम पर।

मॉन्स्टर सैलरी सर्वे, 2016 से पता चलता है कि भारत में महिलाएं वैश्विक महिलाओं की तुलना में **25%** कम कमाती हैं। महिलाओं की बड़ी संख्या में विभिन्न संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करना और विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक सेवा प्रदान करना एक सुखद दृश्य है। लेकिन ऊपर

प्रस्तुत आंकड़े यह स्पष्ट रूप से बताते हैं कि सरकार को महिला शिक्षा के मुद्दे को पहले से कहीं अधिक सख्ती से संबोधित करना होगा।

श्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, "राष्ट्रीय बालिका दिवस पर, हम अपनी #देश की बेटी और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों को सलाम करते हैं। केंद्र सरकार ने शिक्षा तक पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक संवेदनशीलता में सुधार सहित बालिकाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाली कई पहल की हैं।"

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने एक ट्वीट में कहा, "राष्ट्रीय बालिका दिवस पर, हम हर बालिका के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने और अवसरों के साथ उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। आइए हम अपनी बेटियों पर गर्व करें और देश की बेटी का उपयोग करके लड़कियों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएं।

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने हाल के वर्षों में समावेशिता को बढ़ावा दिया है, खेलों में महिलाओं के प्रति जागरूकता का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है और युवा लड़कियों की एक पीढ़ी को खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया है। खेलो इंडिया योजना का एक विशेष घटक खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए लड़कियों और महिलाओं के सामने आने वाली बाधाओं पर ध्यान केंद्रित करता है, और इन्हें दूर करने और भागीदारी बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करता है। 2018 से 2020 तक खेलो इंडिया गेम्स में महिलाओं की भागीदारी में 161% की वृद्धि हुई है। 2018 में खेलो इंडिया योजना के तहत 657 चिन्हित महिला एथलीटों को समर्थन दिया गया था, अब यह संख्या 1471 (223% वृद्धि) हो गई है। सितंबर 2018 में 86 महिला एथलीट टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (TOPS) प्रोग्राम का हिस्सा थीं और आज हमारे पास उनमें से 190 (220% की छलांग) हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को कैरियर के विभिन्न अवसर प्रदान करने के लिए 'पोषण (किरण) के माध्यम से अनुसंधान उन्नति में ज्ञान शामिल' योजना शुरू की है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में अधिक महिला प्रतिभाओं को शामिल करके विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लैंगिक समानता लाना है।

नई शिक्षा नीति 2020 की स्त्री शिक्षा में भूमिका

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के बच्चों और युवाओं, विशेषकर लड़कियों पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी के लिए समान और समावेशी शिक्षा की परिकल्पना करती है। नीति का फोकस महत्वपूर्ण है क्योंकि महिलाओं को शिक्षित करने के प्रयासों के बावजूद माध्यमिक शिक्षा के बाद भी लड़कियों की ड्रॉपआउट दर उच्च है। नामांकन अनुपात भी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर गिरता है। कई कारणों में, मासिक धर्म की शुरुआत और स्वच्छ शौचालयों की उपलब्धता की कमी लड़कियों को शिक्षा पूरी किए बिना स्कूल छोड़ने के लिए जिम्मेदार हैं।

एनईपी 2020 इस चुनौती को अपने जेंडर इंक्लूजन फंड (जीआईएफ) के माध्यम से पूरा करने का इरादा रखता है। इस कोष का उपयोग सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

ऐसा प्रतीत होता है कि एनईपी 2020 ने इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि छात्राओं को अतिरिक्त तरीकों से वंचित किया जाता है और इसलिए सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित समूह (एसईडीजी) जिन्हें इस नीति के तहत पहचाना गया है, इनमें से प्रत्येक समूह में महिलाएं कम से कम आधी हैं।

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय (MoE) समग्र शिक्षा - स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना (ISSE) लागू कर रहा है, जिसके तहत लड़कियों की शिक्षा के लिए विभिन्न हस्तक्षेपों को लक्षित किया गया है। स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर लिंग और सामाजिक श्रेणी के अंतर को पाटना समग्र शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।

राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) में, महिला प्रशिक्षुओं का प्रतिशत अगस्त, 2016 में 4% से बढ़कर दिसंबर, 2020 में 12% हो गया है। स्ट्राइव-सहायता प्राप्त आईटीआई में महिला नामांकन प्रतिशत 15.5% से बढ़कर 19.1% हो गया है। पीएमकेवीवाई के तहत वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान दिए गए 23 लाख आरपीएल प्रमाणपत्रों में से 5 लाख से अधिक महिलाएं थीं। 271 जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 227 जेएसएस राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में सक्रिय हैं। 4 लाख लाभार्थियों में से (प्रति वर्ष) 85% महिलाएं हैं।

कौशल विकास मंत्रालय भारत में महिलाओं को कुशल बनाने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए प्रयास कर रहा है। 33 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में से 19 एनएसटीआई विशेष रूप से महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। एनएसटीआई में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के तहत 3,400 सीटें और शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) के तहत 2,225 सीटें स्वीकृत की गई हैं। आईटी नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग में एडवांस्ड डिप्लोमा में 421 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) में, महिला प्रशिक्षुओं का प्रतिशत अगस्त, 2016 में 4% से बढ़कर दिसंबर, 2020 में 12% हो गया है। स्ट्राइव-सहायता प्राप्त आईटीआई में महिला नामांकन प्रतिशत 15.5% से बढ़कर 19.1% हो गया है। पीएमकेवीवाई के तहत वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान दिए गए 23 लाख आरपीएल प्रमाणपत्रों में से 5 लाख से अधिक महिलाएं थीं। 271 जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 227 जेएसएस राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में सक्रिय हैं। 4 लाख लाभार्थियों में से (प्रति वर्ष) 85% महिलाएं हैं।

एनईपी 2020 का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की भर्ती में लैंगिक असमानता के मुद्दे का समाधान करना है। नीति नए तरीकों को अपनाने की उम्मीद करती है जो यह सुनिश्चित करेगी कि योग्यता और योग्यता को ध्यान में रखा जाए और महिला शिक्षकों को भर्ती के लिए उपयुक्त मंच प्रदान किया जाए। यह एक तथ्य है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अच्छा शिक्षक प्रशिक्षण अनिवार्य है। नीति में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे शिक्षकों और सहायकों को छात्राओं के परिवारों को परामर्श देने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। काउंसलिंग के लिए परिवार को शामिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि एक शिक्षित लड़की और उसके अशिक्षित परिवार के बीच का अंतर विभिन्न प्रकार की समस्याओं का कारण बनता है।

निष्कर्ष

छात्राओं के लिए एक निश्चित रास्ता कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम होगा जो एनईपी अग्रभूमि में है। शैक्षिक संस्थानों में कौशल के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण निश्चित रूप से प्रगतिशील होगा और छात्राओं को शैक्षिक संस्थानों की ओर आकर्षित करेगा और उम्मीद यह है कि पारंपरिक रूप से परिवारों द्वारा पुरुष/महिला शिक्षा के बीच अंतर करने के तरीके को बदल देगा

जबकि नीति लैंगिक संवेदनशीलता पर जोर देती है, पाठ्यक्रम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रीय बालिका दिवस पर देश की बेटियों को सलाम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) -2020 ने बालिकाओं के विकास को लक्षित करने के लिए " लिंग समावेशन निधि" की शुरुआत की है।अब वह दिन दूर नहीं लगता जब समान शिक्षा हर बेटी का समान अधिकार होगा।

DVSIJMR
ISSN NO 2454-7522

संदर्भित ग्रंथ

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय राष्ट्र राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाता है पोस्ट किया गया: 24 जनवरी 2021 5:17PM PIB दिल्ली की रिपोर्ट।
- जेबराज, प्रिसिला (2 अगस्त 2020)। "द हिंदू एक्सप्लेन्स I राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में क्या प्रस्तावित है?" . द हिंदू । आईएसएसएन 0971-751X । 2 अगस्त 2020 को पुनःप्राप्त ।
- विश्नोई, अनुभूति (31 जुलाई 2020)। "एनईपी '20: एचआरडी के साथ अंग्रेजी से क्षेत्रीय भाषाओं में निर्देश माध्यम में कोई बदलाव नहीं" । द इकोनॉमिक टाइम्स । 31 जुलाई 2020 को पुनःप्राप्त ।
- गोहेन, मानश प्रतिम (31 जुलाई 2020)। "एनईपी भाषा नीति व्यापक दिशानिर्देश: सरकार" । टाइम्स ऑफ इंडिया । 31 जुलाई 2020 को पुनःप्राप्त ।
- चोपड़ा, रितिका (2 अगस्त 2020)। "समझाया: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पढ़ना" । द इंडियन एक्सप्रेस । 2 अगस्त 2020 को पुनःप्राप्त ।
- "मातृभाषा में शिक्षा" । www.pib.gov.in। _ 23 जनवरी 2023 को पुनःप्राप्त ।
- चतुर्वेदी, अमित (30 जुलाई 2020)। "'परिवर्तनकारी': नेता, शिक्षाविद राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्वागत करते हैं । हिंदुस्तान टाइम्स । 30 जुलाई 2020 को पुनः प्राप्त किया गया । जबकि अंतिम नीति की घोषणा 1992 में की गई थी, यह अनिवार्य रूप से 1986 की एक पुनरावृत्ति थी।
- "कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाला पैनल स्कूलों के लिए नया पाठ्यक्रम विकसित करेगा" । indianexpress.com. 22 सितंबर 2021. 16 अक्टूबर 2021 को पुनःप्राप्त ।
- "राज्य शिक्षा बोर्डों को राष्ट्रीय निकाय द्वारा विनियमित किया जाएगा: मसौदा एनईपी" । टाइम्स ऑफ इंडिया । 30 अक्टूबर 2019 । 21 नवंबर 2019 को पुनःप्राप्त ।
- "यहां बताया गया है कि आप नए एनईपी पर क्यों खुश हो सकते हैं। और आप क्यों नहीं कर सकते" । द वायर । 31 जुलाई 2020 । 2 अगस्त 2020 को पुनःप्राप्त ।

- जेबराज, प्रिसिला; हेब्बर, निस्तुला (31 जुलाई 2020)। रमेश पोखरियाल निशंक कहते हैं, "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने से पहले कठोर परामर्श किया गया" । द हिंदू । आईएसएसएन 0971-751X । 2 अगस्त 2020 को पुनःप्राप्त ।
- रोहतगी, अनुभा, सं. (7 अगस्त 2020)। "हाइलाइट्स I एनईपी भारत में अनुसंधान और शिक्षा के बीच की खाई को कम करने में भूमिका निभाएगी: पीएम मोदी" । हिंदुस्तान टाइम्स । 8 अगस्त 2020 को पुनःप्राप्त ।
- "सरकार ने शिक्षा पर राज्य के खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के 6% तक बढ़ाने की योजना को मंजूरी दी" । लाइवमिंट । 29 जुलाई 2020 । 30 जुलाई 2020 को पुनःप्राप्त ।
- "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: कैबिनेट ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दी मंजूरी: मुख्य बिंदु" । टाइम्स ऑफ इंडिया । 29 जुलाई 2020 । 29 जुलाई 2020 को पुनःप्राप्त ।
- "कक्षा 5 तक मातृभाषा में शिक्षण: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर 10 अंक" । एनडीटीवी डॉट कॉम । 30 जुलाई 2021 को पुनःप्राप्त ।
- "कैबिनेट ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी, देश में स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त" । पीआईबी.जीओवी.इन । 8 अगस्त 2021 को पुनःप्राप्त ।
- "शिक्षा मंत्रालय ने निपुन भारत मिशन की शुरुआत की"। @बिजनेसलाइन । 5 जुलाई 2021 । 8 अगस्त 2021 को पुनःप्राप्त ।
- श्रीनिवासन, चंद्रशेखर, एड. (29 जुलाई 2020)। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति, NEP 2020: कक्षा 5 तक मातृभाषा में शिक्षण: नई शिक्षा नीति पर 10 बिंदु" । एनडीटीवी । 29 जुलाई 2020 को पुनःप्राप्त ।